वितान 2------महत्त्वपूर्ण बिन्दु

सिल्वर वैडिंग ----1 दो पीढ़ियों का अंतराल ,दो पीढ़ियों का वैचारिक मतभेद 2 जीवन मूल्यों का घटना जैसे यशोधर बाबू के बच्चों द्वारा बड़ो का आदर न करना , अपने पैसे अपने पास रखना ,घर में पार्टी करना ,नए विचारो को अपनाना |**प्रमुख पात्र ----1 यशोधर बाबू (वाई .डी.पन्त) 2 किशन दा (कृष्णानन्द) भूषण यशोधर बाबू का बड़ा बेटा है, दो बेटे ओर है एक बेटी है ,उनकी पत्नी आधुनिक हो गई है बच्चों का पक्ष लेती है ,तथा ममता के कारण बच्चों का साथ देती है |यशोधर जी गृहमंत्रालय में कार्य करते है |किशन दा ने उनको शरण दी इसलिए वे उन्हें अपना आदर्श मानते है |***सम हाउ इम्प्रोपर इनका तकिया कलाम है (बात बात में प्रयोग में लाने वाले वाक्य) **जूझ** – का अर्थ है संघर्ष करना ---कहानी का नायक आनंदा का जीवन संघर्ष भरा है उसका पिता उसे पढाना नहीं चाहता है | लेखक और उसकी माँ द्वारा पढने के लिए योजना बनाना- गाँव के सज्जन प्रतिष्ठित व्यक्ति दत्ता जी राव की सहायता लेना और शर्तों के साथ पढाई करना 1 खेतों में काम करना 2 भैंस चराना 3 खेतों में ज्यादा काम होने पर पाठशाला से छुट्टी लेना |**पाठशाला** का संघर्ष शरारती बच्चे चव्हाण द्वारा परेशान करना मंत्री मास्टर जो गणित के मास्टर थे उन्हों ने उसे कक्षा के मोनिटर पाटिल के साथ गणित के सवाल हल करने के लिए साथ कर दिया |मराठी भाषा के अध्यापक न.व.सौन्दलगेकर से लेखक प्रभावित होता है वे कविता को छंद गति ,यति लय .ताल .आरोह –अवरोह भाव –विभोर होकर सुरीला गा गा कर कविता पढाते थे साथ ही अपनी लिखी हुई कविता भी सुनाते थे ,बीच-बीच में महान कवियों की कविताओ से तुलना भी करते थे | लेखक भी मराठी भाषा के अध्यापक से प्रभावित हुआ तथा वह भी अब कविता लिखता था कभी भैंस की पीठ पर कभी पत्धर पर अब उसे अकेलापन अच्छा लगता था वह अपनी जेब में कागज पेन्सिल रखता और कविता लिखता पाठशाला में पढाई गई कविता गुनगुनाता और अब उसका मन थुई थुई कर नाचता था | अब उसका काम में मन लगता था ,वह भी अपने आसपास लगी हुई मालती पर कविता लिखता था और नए विषयों पर कविता लिख कर मास्टर को दिखता था |***अतीत में दबे पाँव ----सिन्धुकालीन सभ्यता कितनी सुनियोजित थी उसका परिचय हमें मिलता है |खुदाई में मिले 700 कुओ एवम स्नानागार जल निकासी हेतु बनाई गई नालियाँ ढंकी हुई नालियाँ सड़के आमने सामने मकानों के द्वार खुलना मुख्य सड़को पर द्वार न खुलना वास्तु योजना का उत्तम

उदाहरण है यहाँ की नगरीय व्यवस्था आधुनिक चंडीगढ़ शहर इसी ग्रिड प्लान पर बनाया गया है |

****लो प्रोफाइल सभ्यता –आडंबर से दूर सभ्यता** – सिन्धुकालीन सभ्यता भव्यता और आडंबरों से दूर थी यहाँ खुदाई में न किसी राजा का भव्य महल मिला है ना ही कोई बड़ा मुकुट या समाधि मिली है खुदाई में छोटे मुकुट ,छोटी नौकाएँ मिली है शस्त्र के स्थान पर अस्त्र मिले है जिससे सिद्ध होता है कि यह सभ्यता स्वनुशासन पर चलती थी | पत्थर के आभूषण नटराज की मूर्ति सोने की सुइयां अनाज बैल गाडी आदि से पता चलता है कि ये कृषि प्रधान सभ्यता थी मुह्न्जो दड़ो का अर्थ है मुर्दों का टीला ये सभ्यता लगभग 5000 वर्ष पुरानी है , वर्तमान समय में ये पाकिस्तान में है | **डायरी के पन्ने**--- नाजियों द्वारा यहूदियों पर किये जाने वाले अत्याचारो का जीवंत एतिहासिक दस्तावेज है ये एन फ्रैंक की डायरी जो उसने अपनी गुद्दिया किट्टी को अज्ञात वास के दौरान सुनाई और लिखी थी |इस डायरी में उसने अज्ञातवास में जो यातनाएं झेली उसका चित्रण किया है |ये उसकी अपनी भावनाओं को भी व्यक्त करती है क्योकि अज्ञातवास में कोई भी उसकी भावनाएं समझनेवाला नहीं था | मि. डसेल जो कि उसके साथ कमरा शेयर करते थे और जो उसके शिक्षक थे वे अनुशासन प्रिय थे किन्तु वे हमेशा उसकी शिकायत उसकी माँ से किया करते थे जिसके कारण एन उनसे चिढती थी अज्ञातवास में हर कोई उसे किसी न किसी बात पर टोकते थे जैसे उसके बाल बनाने पर फ़िल्मी मैगज़ीन पढने पर वहां कोई भी उसकी भावनाएं नहीं समझता था |**एन के स्त्रियों के लिए जो विचार थे वे बड़े ही अच्छे थे वह लिखती है कि एक सैनिक से भी ज्यादा पीड़ा स्त्री को बच्चा पैदा करने पर होती है ,समाज में स्त्रियों को स्वतन्त्रता नहीं है कितने बच्चे पैदा करने है इसका भी निर्णय पुरुष ही करते है | उसकी यह डायरी 60 लाख यहूदियों की पीड़ा की आवाज़ है |अज्ञातवास में यह डायरी किसी के हाथ न आ जाये इसलिए एन ने ये डायरी किट्टी को लिखी तथा यदि पुलिस के हाथ लग भी जाये तो वो उसे बच्चे की डायरी समझ कर छोड़ दे |विश्व के इतिहास में इसका उल्लेख मिलता है | **प्रमुख पात्र** मार्गोट (एन की बड़ी बहन)मुर्तजा (बिल्ली) पीटर (मि.वानदन का छोटा बेटा जो एन का हम उम्र था|)